आज गुरु आविया रे मारा हिवड़ा में उठी रे हिलोर लिरिक्स

आज गुरु आविया रे,
मारा हिवड़ा में उठी रे हिलोर।bd।

गुरु आवन रो मैं सुनियो जी,
नाच उठयो मन मोर,
मारी सुरता शब्द सू एशी लागी,
जियू पतंग संग डोर,
आज गुरु आविया जी,
मारा हिवड़ा में उठी रे हिलोर।bd।

सतगुरु मारे एक हेरे,
चाहूं नहीं कोई ओर,
ऐक घड़ी विसरु नहीं,
गुरु मारा चित चोर,
आज गुरु आविया जी,
मारा हिवड़ा में उठी रे हिलोर।bd।

रेन दिवस तड़पत भई रे,
हो गयो छे भोर,
सुरता सुहागन निरखन चाली,
अपने पिया की ओर,
आज गुरु आविया जी,
मारा हिवड़ा में उठी रे हिलोर।bd।

सत गुरु माने पूरा मोलिया,
देदी शब्दा वाली डोर,
दाश मलुख चरण माई निपटे,
अपने गुरु की ओर,
आज गुरु आविया जी,
मारा हिवड़ा में उठी रे हिलोर।bd।

आज गुरु आविया रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मारा हिवड़ा में उठी रे हिलोर।bd।

स्वर – श्री रामनिवास जी राव।

Upload By – Mahendra Saragara

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com